१ न्याय

कहानी सारांश

यह नाटक कपिलवस्तु के राजकुमार सिद्धार्थ (भगवान बुद्ध) के करुणामय और न्यायप्रिय स्वभाव को दर्शाता है।

राज-उद्यान में सिद्धार्थ अपने सखे के साथ घूम रहे थे। तभी अचानक एक घायल हंस उनकी गोद में आ गिरा। उसके शरीर में तीर लगा था, जिसे देवदत्त (सिद्धार्थ का चचेरा भाई) ने चलाया था। सिद्धार्थ ने हंस को करुणा और स्नेह से सँभाला और उसके प्राण बचाने की कोशिश की।

कुछ देर बाद देवदत्त आया और हंस को अपना बताकर माँगने लगा। सिद्धार्थ ने कहा कि हंस उसका है क्योंकि उसने उसे बचाया है। दोनों में विवाद बढ़ा और मामला महाराज शुद्धोदन की सभा में पहुँचा।

सभा में मंत्री ने सुझाव दिया कि हंस को स्वतंत्र छोड़ दिया जाए और देखा जाए कि वह किसके पास जाता है। जब देवदत्त ने बुलाया, तो हंस डरकर चुप रहा; पर जब सिद्धार्थ ने प्यार से पुकारा, तो हंस तुरंत उनकी गोद में जा चिपका। इस प्रकार यह सिद्ध हो गया कि मारने वाला नहीं, बल्कि बचाने वाला बड़ा होता है।

महाराज ने निर्णय सुनाया कि हंस सिद्धार्थ के पास ही रहेगा।

मुख्य संदेश:

- करुणा, दया और प्रेम ही सच्चा धर्म है।
- किसी जीव को बचाना, उसे मारने से कहीं श्रेष्ठ है।
- न्याय वही है जिसमें निर्दोष और कमजोर की रक्षा हो।

यह घटना सिद्ध करती है कि राजकुमार सिद्धार्थ बचपन से ही संवेदनशील, न्यायप्रिय और दयालु थे।

शब्दार्थ

- **पुष्प** – फूल
- **नेपथ्य** – रंग – मंच के पीछे का स्थान
- **उद्यान** – बाग –बगीचा
- **सखा** – मित्र
- **उतावली** – अधीर
- **रँभाना** – गाय या बैल का आवाज करना
- **स्नेह** – प्यार
- **वक्त** – समय
- **अचरज** – आश्चर्य
- **रोज** – प्रतिदिन
- **नियत समय** – निर्धारित समय
- **योगी** – योग साधना करने वाला व्यक्ति, आत्मज्ञानी
- **पक्षी** – चिड़िया
- **प्राण** – जान
- **भूमि** – धरती
- **निर्दयी** – कठोर

- **अनुराग** – प्रेम
- **निर्दोष** – बेगुनाह
- **मरहम** – घाव पर लगाया जाने वाला लेप
- **प्रमाण** – सबूत
- **राजवैद्य**– राज महल का वैद्य
- **विवश** – लाचार
- **निर्णय** – फैसला
- **प्रतिहारी** – द्वारपाल ।
- **आज्ञा** – आदेश
- **क्रोध** – गुस्सा ।
- **आखेट** – शिकार करना
- **गवाही** – बयान या साक्ष्य
- **शरणागत** – शरण में आए हुए
- **पुचकारना** – प्यार जताना
- **छाती** – सीना
- **आसन** – बैठ ने का स्थान

मुहावरे

- **धौंस जमाना** – किसी पर अपनी धाक जमाना
- **नेकी और पूछ –पूछ** – भलाई में संकोच या देरी नहीं करनी चाहिए
- **नेत्र सजल हो जाना** – आँखों में आँसू आना।
- **छाती से चिपकाना** – बहुत प्यार करना,
- **गरदन झुकाना** – हार मान लेना
- **तिलमिलाकर** – व्याकुल होकर / छटपटाकर

प्रश्न - अभ्यास

बातचीत के लिए

1. **जब शाम होती है तो आपको प्रकृति में क्या-क्या परिवर्तन दिखाई देते हैं?**

   उत्तर: शाम होते ही सूरज डूबने लगता है और आकाश लालिमा से भर जाता है। पक्षी अपने घोंसलों की ओर लौट आते हैं, गायें-बकरियाँ घर लौटती हैं और वातावरण में शांति छा जाती है। धीरे-धीरे अँधेरा होने लगता है और चाँद-तारे निकल आते हैं।

2. **क्या आपने कभी किसी पशु-पक्षी को बचाया है? उनसे जुड़ा कोई अनुभव साझा कीजिए।**

   उत्तर: हाँ, एक बार मैंने एक छोटे-से चूजे को बिल्ली से बचाया था। मैंने उसे उठाकर सुरक्षित जगह पर रखा और कुछ दाने दिए। वह धीरे-धीरे ठीक हो गया और उड़ने लगा। उस दिन मुझे बहुत खुशी हुई।

3. **यदि आप मंत्री के स्थान पर होते तो न्याय कैसे करते?**

   उत्तर: यदि मैं मंत्री होता तो मैं भी हंस को स्वतंत्र छोड़ देता और देखता कि वह किसके पास जाता है। इससे न्याय बिल्कुल निष्पक्ष और सही होता, क्योंकि पशु-पक्षी भी समझते हैं कि उन्हें कौन प्यार करता है और कौन नुकसान पहुँचाता है।

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

4. **इस नाटक में सभी पात्र पुरुष हैं। यदि किन्हीं दो पात्रों को महिला पात्र के रूप में प्रस्तुत करना हो तो आप किन्हें बदलकर प्रस्तुत करना चाहेंगे और क्यों?**

   उत्तर: मैं सखा और मंत्री को महिला पात्र के रूप में प्रस्तुत करना चाहूँगा।
   - सखा की जगह सखी हो सकती है, जो सिद्धार्थ की अच्छी मित्र हो और उनसे बातें करती हो।
   - मंत्री की जगह मंत्री महिला हो सकती है, ताकि यह दिखाया जा सके कि बुद्धिमत्ता और न्याय केवल पुरुषों तक सीमित नहीं हैं, महिलाएँ भी न्यायप्रिय और समझदार हो सकती हैं।

सोचिए और लिखिए

1. **हंस को घायल देखकर सिद्धार्थ ने क्या किया?**

   उत्तर: सिद्धार्थ ने करुणा से हंस को अपनी गोद में उठा लिया, उसके शरीर से तीर निकाला और उसकी रक्षा करने का निश्चय किया।

2. **अंततः हंस सिद्धार्थ को ही क्यों मिला?**

   उत्तर: हंस सिद्धार्थ को ही इसलिए मिला क्योंकि उन्होंने उसे बचाया था और वह उनकी शरण में आ गया था। हंस ने यह भी दिखा दिया कि मारने वाले के पास वह नहीं जाएगा, बल्कि बचाने वाले के पास ही सुरक्षित रहेगा।

3. **कहानी को अपने ढंग से प्रवाह चार्ट के रूप में लिखिए—**

   उत्तर:

प्रवाह चार्ट के चरण 🖘

सिद्धार्थ व उसके सखा का प्रकृति को निहारना।

↓

तीर लगे पक्षी का घायल होकर गिरना

↓

सिद्धार्थ का पक्षी को बचाना और देवदत्त का पक्षी माँगना

↓

दोनों का झगड़ा बढ़ना और मामला महाराज की सभा में पहुँचना

↓

मंत्री का सुझाव – पक्षी को स्वतंत्र छोड़ना

↓

पक्षी का सिद्धार्थ की गोद में आ जाना

↓

हंस का निर्णय – वह सिद्धार्थ के पास ही रहना चाहता है।

www.onepointlearning.com

अनुमान और कल्पना

1. **जिस समय आकाश में हंस को तीर लगा उस समय उसके अन्य साथियों ने आपस में क्या बातें की होंगी?**

   उत्तर: हंसों के साथी घबराकर कह रहे होंगे—

   "अरे! हमारे मित्र को तीर लग गया!"

   "चलो जल्दी से उड़कर सुरक्षित जगह चलें।"

   "हाय! कितना निर्दयी है जिसने उस पर तीर चलाया।"

   "काश कोई उसे बचा ले।"

2. **हंस देवदत्त के पास उड़कर क्यों नहीं गया?**

   उत्तर: क्योंकि देवदत्त ने उसे घायल किया था और वह उससे डरता था। वह जानता था कि सिद्धार्थ ही उसे सच्चा स्नेह और सुरक्षा देंगे।

3. **राजा शुद्धोदन ने निर्णय के बाद सिद्धार्थ से क्या कहा होगा?**

   उत्तर: राजा शुद्धोदन ने गर्व से कहा होगा—

   "पुत्र सिद्धार्थ! तुमने करुणा और न्याय का जो उदाहरण दिया है, वह हम सबके लिए शिक्षा है। तुम्हारा हृदय दया और प्रेम से भरा है। मुझे तुम पर गर्व है।"

4. **एक रात सिद्धार्थ मीठी नींद सो रहे हैं। उनके सपने में हंस आता है और सिद्धार्थ के साथ न्याय वाले दिन का अपना अनुभव सुनाता है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि हंस ने सिद्धार्थ से क्या-क्या बातें की होंगी?**

   उत्तर: सपने में हंस कहता—

   हंस की बातें:-

   "सिद्धार्थ!
   जब मैं घायल होकर गिरा,
   तुमने मुझे सहारा दिया।
   तुम्हारी दया से मुझे जीवन मिला।"

   सिद्धार्थ की बातें:-

   "प्रिय हंस,
   हर जीव को जीने का हक है।
   तुम्हें बचाना मेरा कर्तव्य था।
   करुणा ही सच्चा धर्म है।"

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

भाषा की बात

1. **पाठ में हंसे और हँस शब्द आए हैं। हंसे में अनुस्वार (ं) का प्रयोग हुआ है और हँस में चंद्रबिंदु (ँ) का प्रयोग हुआ है। अब आप इस पाठ में आए अनुस्वार एवं चंद्रबिंदु वाले शब्दों को खोजिए और अपनी लेखन-पुस्तिका में लिखिए। उनका वाक्यों में भी प्रयोग कीजिए।**

   उत्तर :

   (क) अनुस्वार (ं) वाले शब्द और वाक्य प्रयोग

   → **जीवन :-** करुणा से ही जीवन सुंदर बनता है।

   → **प्राणी :-** हर प्राणी को जीने का अधिकार है।

   → **संकल्प :-** सिद्धार्थ ने करुणा का संकल्प लिया।

   → **निर्णय :-** राजा ने न्यायपूर्ण निर्णय सुनाया।

   → **दया :-** दया से मनुष्य महान बनता है।

   (ख) चंद्रबिंदु (ँ) वाले शब्द और वाक्य प्रयोग

   → **हँस :-** घायल हँस को सिद्धार्थ ने बचाया।

   → **माँ :-** माँ अपने बच्चों को प्यार करती है।

   → **आँसू :-** उसकी आँखों से आँसू निकल आए।

   → **बूँद :-** आकाश से पानी की बूँद गिरी।

   → **पाँव :-** ठंडी मिट्टी पर नंगे पाँव चलना अच्छा लगता है।

2. **रेखांकित शब्दों के विपरीत अर्थ वाले शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—**

   (क) सूर्य का <u>उदय</u> पूर्व दिशा में और अस्त **पश्चिम दिशा में होता है।**

   (ख) उसने <u>मारा</u> है परंतु मैंने बचाया **है।**

   (ग) इस <u>निर्दोष</u> पक्षी को मारने वाला दोषी **है।**

   (घ) इस <u>जटिल</u> समस्या का हल बहुत सरल **है।**

3. **नीचे दिए गए चित्रों और शब्दों को जोड़कर मुहावरे/लोकोक्ति बनाइए। साथ ही अपनी रुचि के किन्हीं पाँच मुहावरों और लोकोक्तियों का वाक्यों में प्रयोग भी कीजिए—**

© NCERT not to be republished

उत्तर :

(क) मगरमच्छ के आँसू बहाना

(ख) आँख मिचौनी खेलना

(ग) आठ और नौ ग्यारह होना

(घ) अक्ल बड़ी या भैंस

(ङ) बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद

(च) रंगे हाथों पकड़ा जाना

(छ) खून सफेद होना

(ज) दाँतों तले उंगली दबाना

(झ) चूहे के बिल में कूदना

(ञ) सूरज को दीपक दिखाना

पाँच मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग

i. **मगरमच्छ के आँसू बहाना –** वह परीक्षा में असफल होकर भी मगरमच्छ के आँसू बहा रहा था।

ii. **बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद –** जिसे पढ़ाई में रुचि नहीं, वह किताबों की अहमियत क्या जाने; बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद।

iii. **रंगे हाथों पकड़ा जाना –** चोर रंगे हाथों पकड़ा गया।

iv. **दाँतों तले उंगली दबाना –** उसकी कला देखकर सबने दाँतों तले उंगली दबा ली।

v. **सूरज को दीपक दिखाना –** गांधीजी की महानता पर कुछ कहना सूरज को दीपक दिखाने जैसा है।

पाठ से आगे

- **हंस वाली घटना के बाद सिद्धार्थ, देवदत्त को एक संदेश देना चाहते हैं। आपके अनुसार सिद्धार्थ ने देवदत्त को क्या संदेश लिखकर भेजा होगा—**

  प्रिय भाई देवदत्त

  ....

  ....

  ....

  ....

  ....

आपका भाई

सिद्धार्थ

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

www.onepointlearning.com

उत्तर :

प्रिय भाई देवदत्त,

हंस की घटना ने मुझे यह सिखाया है कि किसी भी जीव को कष्ट देना सही नहीं है। हर प्राणी को जीवन जीने का अधिकार है। वीरता किसी को मारने में नहीं, बल्कि उसकी रक्षा करने में है। यदि हम जीवों के प्रति दया और करुणा दिखाएँ, तो वे हमें अपना सच्चा मित्र मानेंगे।

मैं चाहता हूँ कि तुम भी आगे से कभी किसी जीव को चोट न पहुँचाओ। आओ, हम मिलकर करुणा और प्रेम का मार्ग अपनाएँ। यही सबसे बड़ा धर्म है।

तुम्हारा भाई

सिद्धार्थ

- **बगीचे में सुंदर-सुंदर गुलाब के फूल लगे हैं। प्रमोद को ये फूल बहुत सुंदर लगते हैं। वह उन फूलों को तोड़कर अपने पास रखता है। करुणा को भी फूल बहुत पसंद हैं। वह प्रतिदिन फूलों को खाद-पानी देकर देखभाल करने का निर्णय लेती है। आप इन फूलों से अपना प्रेम कैसे दर्शाएँगे एवं क्यों? अपनी कक्षा के साथियों के साथ चर्चा कर अपनी लेखन-पुस्तिका में लिखिए।**

उत्तर : मैं फूलों से प्रेम तोड़कर अपने पास रखने से नहीं, बल्कि उनकी देखभाल करके दिखाऊँगा। प्रतिदिन उन्हें पानी दूँगा, समय-समय पर खाद डालूँगा और यह ध्यान रखूँगा कि कोई उन्हें नुकसान न पहुँचाए। ऐसा करने से फूल लंबे समय तक हरे-भरे और सुंदर बने रहेंगे।

मैं ऐसा इसलिए करूँगा क्योंकि सच्चा प्रेम पाने में नहीं, बल्कि सँभालने और बचाने में है। फूल बगीचे में खिले रहेंगे तो सबको आनंद और ताजगी देंगे।

- **कुछ पक्षियों की संख्या निरंतर कम होती जा रही है। कई पक्षी तो ऐसे हैं जो विलुप्त होने की स्थिति में आ गए हैं, उदाहरण के लिए गौरैया। चित्रों के माध्यम से नीचे कुछ ऐसे संकेत दिए गए हैं जो पक्षियों की दिन-प्रतिदिन कम होती संख्या के लिए उत्तरदायी हैं। चित्रों को देखकर अपने सहपाठियों के साथ इन कारणों पर चर्चा कीजिए। यह भी पता लगाइए कि हम इन पक्षियों के बचाव और उनकी संख्या में वृद्धि के लिए कैसे योगदान दे सकते हैं।**

उत्तर :

चित्रों के आधार पर पक्षियों की संख्या कम होने के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं:

- **वनों की कटाई (Deforestation/Tree Cutting):** पेड़-पौधों के कटने से पक्षियों के आवास (घर) और भोजन के स्रोत नष्ट हो जाते हैं।
- **प्रदूषण (Pollution):** कारखानों और शहरी कचरे से होने वाला जल, वायु और भूमि प्रदूषण पक्षियों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है और उनके भोजन को दूषित करता है।
- **पतंग और मांझा (Kites and 'Manjha'):** तेज धार वाला मांझा पक्षियों के पंखों को काट देता है या उन्हें गंभीर रूप से घायल कर देता है, जिससे उनकी मृत्यु हो जाती है।
- **मोबाइल टावरों से निकलने वाली तरंगें (Tower Radiations):** मोबाइल टावरों से निकलने वाली विद्युत चुम्बकीय तरंगें (Electromagnetic Waves) विशेषकर छोटी गौरैया जैसी पक्षियों के अंडे और प्रजनन क्षमता को प्रभावित करती हैं, जिससे उनकी संख्या कम हो जाती है।

हम पक्षियों के बचाव और संख्या में वृद्धि के लिए कैसे योगदान दे सकते हैं:

- **वृक्षारोपण (Planting Trees):** अपने आस-पास अधिक से अधिक पेड़ लगाएँ जो पक्षियों को आश्रय दे सकें।
- **जल और दाना (Water and Grain):** गर्मियों में अपनी बालकनी या छत पर पानी का बर्तन और दाना रखें ताकि पक्षियों को भोजन मिल सके।
- **घोंसले के लिए जगह (Nesting Space):** कृत्रिम घोंसले (Nest boxes) लगाएँ, विशेषकर गौरैया के लिए।
- **प्रदूषण कम करें (Reduce Pollution):** प्लास्टिक और कचरे को कम करके पर्यावरण को स्वच्छ रखें।
- **मांझे का बहिष्कार (Avoid Manjha):** पतंग उड़ाने के लिए साधारण या सूती धागे का प्रयोग करें, न कि धारदार 'चाइनीज मांझे' का।

www.onepointlearning.com

पुस्तकालय एवं अन्य स्रोत

1. **अपने सहपाठियों के साथ पुस्तकालय में जाइए और गौतम बुद्ध से संबंधित जातक कथाओं को पढ़िए।**

   उत्तर : हम पुस्तकालय में गए और गौतम बुद्ध की जातक कथाएँ पढ़ीं। इन कथाओं में बुद्ध के पिछले जन्मों की कहानियाँ हैं, जो दया, करुणा और नैतिकता सिखाती हैं। जैसे, एक कथा में बुद्ध एक हिरण के रूप में दूसरों की जान बचाते हैं।

2. **राजा विक्रमादित्य भी अपने न्याय के लिए प्रसिद्ध थे। राजा विक्रमादित्य के न्याय से जुड़ी कथाओं को पुस्तकालय सहायक एवं सहपाठियों की सहायता से ढूँढ़िए और उन्हें पढ़कर आपस में इन कथाओं पर बातचीत कीजिए।**

उत्तर : हमने पुस्तकालय में विक्रमादित्य की कहानियाँ पढ़ीं। एक कहानी में उन्होंने एक गरीब और अमीर के बीच सही फैसला किया, जिससे दोनों को न्याय मिला। हमने कक्षा में चर्चा की कि उनका न्याय निष्पक्ष और बुद्धिमानी भरा था।

3. **आपके घर अथवा आस-पास ऐसे कौन-से व्यक्ति हैं जिनके पास लोग अपनी समस्याओं को सुलझाने हेतु सहायता के लिए जाते हैं? उनके बारे में अभिभावकों से पूछिए और कक्षा में साझा कीजिए।**

   उत्तर : मेरे गाँव में एक बुजुर्ग दादाजी हैं, जिनके पास लोग अपनी समस्याएँ लेकर जाते हैं। वे शांत मन से सबकी बात सुनते हैं और सही सलाह देते हैं। लोग उनकी बुद्धिमानी और दयालुता के कारण उन पर भरोसा करते हैं।

मैं भी सिद्धार्थ

1. **नीचे कुछ चित्र दिए गए हैं जो सहायता, समझदारी और करुणा से संबंधित हैं। कक्षा में अपने समूह में इन पर संवाद कीजिए एवं किसी एक चित्र पर कुछ पंक्तियाँ भी लिखिए।**

   उत्तर : चित्रों पर संवाद और कुछ पंक्तियाँ

   (क) पहला चित्र (पक्षियों के लिए पानी का पात्र)

   – यह चित्र हमें करुणा का संदेश देता है।

   – गर्मी में पक्षियों को पानी पिलाना बहुत नेक काम है।

   कुछ पंक्तियाँ: "मैं भी गर्मी में अपने घर की छत पर पानी रखता हूँ ताकि प्यासे पक्षी पीकर ताज़ा हो सकें।"

   (ख) दूसरा चित्र (अंधे व्यक्ति को सड़क पार कराना)

   – यह चित्र सहायता और समझदारी का उदाहरण है।

   – हमें ज़रूरतमंद की मदद करनी चाहिए।

   कुछ पंक्तियाँ: "सड़क पर अंधे व्यक्ति को सुरक्षित पार कराना हमारी मानवता है।"

   (ग) तीसरा चित्र (पेयजल की व्यवस्था)

   – यह चित्र साझा भावना और सेवा का प्रतीक है।

   – सभी को स्वच्छ पानी पीने का अधिकार है।

   कुछ पंक्तियाँ: "मैं भी कभी-कभी दूसरों को पानी पिलाकर संतोष महसूस करता हूँ।"

   (घ) चौथा चित्र (गायों को चारा खिलाना)

   – यह चित्र करुणा और दयालुता का संदेश देता है।

   कुछ पंक्तियाँ: "गाय को घास खिलाना करुणा और सेवा की भावना को जगाता है।"

2. **नाटक के प्रथम दृश्य में सिद्धार्थ और उनका सखा राज उद्यान के सौंदर्य का देख-सुनकर आनंद ले रहे हैं। यदि उनका कोई सखा देखने-सुनने में असमर्थ होता तो सिद्धार्थ उसे इस आनंद का अनुभव कैसे करवाते? कक्षा में चर्चा कीजिए।**

www.onepointlearning.com

उत्तर : यदि उनका कोई सखा देखने या सुनने में असमर्थ होता तो सिद्धार्थ उसे फूलों की खुशबू सूँघने देते, पत्तियों को छूने देते, पेड़ों की ठंडी छाँव का अहसास कराते और पक्षियों की मधुर ध्वनि का अनुभव करवाते। इस तरह वे उसे उद्यान का आनंद दिलाते ताकि वह भी प्रकृति की सुंदरता को महसूस कर सके।

मेरा पक्षी

अपने अभिभावक और शिक्षक की सहायता से निम्न चित्रों को देखते हुए अपने लिए कागज का एक पक्षी बनाइए-

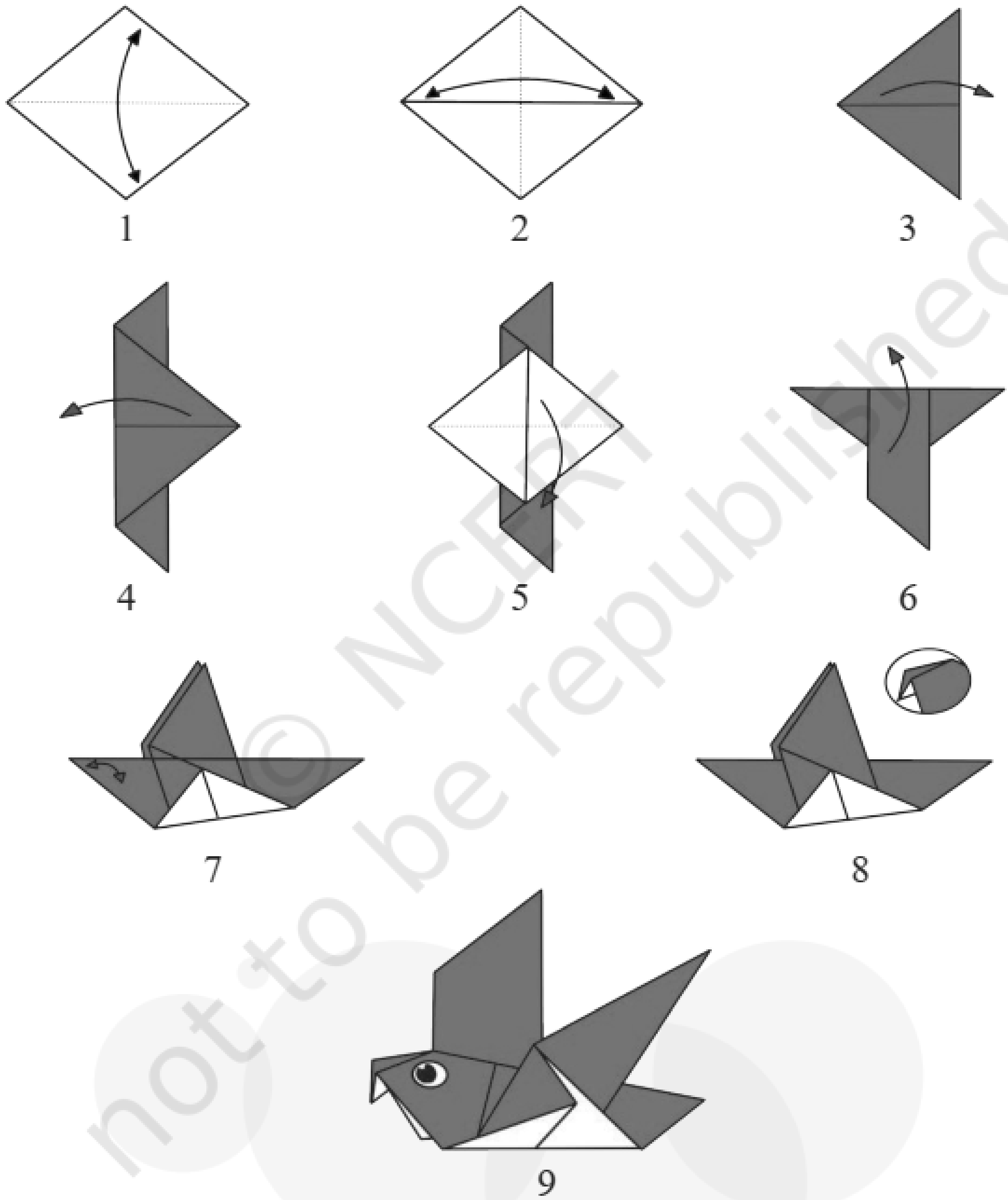

© NCERT not to be republished